महिला सर्जन मेजर पायल छाबड़ा बनीं देश की पहली पैरा कमांडो

चर्चा में क्यों?

- 15 सितंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार हरियाणा के कैथल ज़िले के कलायत नगर की पायल छाबड़ा ने सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं में डॉक्टर रहते हुए प्रशिक्षित पैरा परीक्षा पास कर कमांडो बनने का गौरव हासिल किया है।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि पूर्व में कोई भी महिला सर्जन यह उपलब्धि हासिल नहीं कर सकी है।
- वर्तमान में मेजर पायल छाबड़ा देश के दुर्गम इलाके केंद्र शासित प्रदेश लेह लद्दाख के आर्मी अस्पताल में विशेषज्ञ सर्जन के तौर पर सेवाएँ दे रही हैं।
- उल्लेखनीय है कि पैरा कमांडो के लिये बेहद कठिन और जटिल प्रशिक्षण से गुज़रना पड़ता है। आगरा के एयरफोर्स ट्रेनिंग स्कूल में पैरा कमांडो का प्रशिक्षण होता है। इसके लिये उत्तम स्तर की शारीरिक और मानसिक फिटनेस का होना ज़रूरी है।
- ज्ञातव्य है कि मेजर पायल शल्य चिकित्सक के तौर पर विश्व में दूसरे सबसे ऊँचे खरदूंगला मोटर बाईपास पर स्थित सेना अस्पताल में भी अपनी सेवाएँ दे चुकी हैं। आर्मी अस्पताल अंबाला कैंट में 13 जनवरी, 2021 को कैप्टन के तौर पर उन्हें पहली नियुक्ति मिली थी।
- एमबीबीएस, एमएस की डिग्री हासिल करने के उपरांत करनाल स्थित राजकीय कल्पना चावला मेडिकल कालेज सर्जरी विभाग में वे सीनियर रेजिडेंट भी रहीं।

//